फील्ड्स पदक संक्षिप्त परिचय

सत्य देव वर्मा
एसोसिएट प्रोफेसर, गणित विभाग
इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद–211002, भारत

प्राप्त तिथिः 28.04.2015, स्वीकृत तिथिः 08.06.2015

फील्ड्स पदक अंतर्राष्ट्रीय गणितीय संघ(आई0एम0यू0) के अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस, जो प्रत्येक साल के अंतराल में आयोजित होती है, द्वारा 40 वर्ष से कम उम्र के दो से चार गणितज्ञों को सम्मानित किया जाने वाला पुरस्कार है। फील्ड्स मेडल गणितज्ञों को प्राप्त होने वाले सर्वोच्च सम्मान के रूप में देखा जाता है। फील्ड्स मेडल अक्सर **गणित के नोबेल पुरस्कार** के रूप में वर्णित किया गया है। वर्तमान में यह पुरस्कार राशि, वर्ष 2006 के बाद से (कनाडाई डॉलर में) सी 15,000 कर दिया गया है। जॉन चार्ल्स फील्ड्स, एफ.आर.एस. एक प्रसिद्ध कनाडाई गणितज्ञ और गणित के क्षेत्र में उत्वृष्ट उपलब्धि के लिए फील्ड्स पदक के संस्थापक थे। उन्होंने शैक्षणिक और सार्वजनिक हलकों में गणित का कद बढ़ाने के लिए अथक प्रयास किया। फील्ड्स पदक सन् 1913 में लंदन की रॉयल सोसायटी, सन् 1907 में कनाडा की रॉयल सोसाइटी को फैलो और साथी चुना गया।

जॉन चार्ल्स फील्ड्स
(14 मई 1863 – 09 अगस्त 1932)

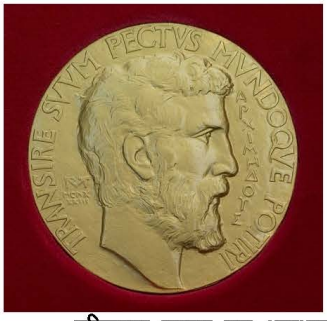

फील्ड्स पदक का अग्रभाग

पहले फील्ड्स पदक से फिनिश गणितज्ञ लार्स अह्लफोर्स और अमेरिकी गणितज्ञ जेसी डगलस को 1936 में सम्मानित किया गया था, और 1950 से हर चार साल के अंतराल में इस पदक से सम्मानित किया जाता है। फील्ड्स पदक का उद्देश्य युवा गणितीय शोधकर्ताओं को मान्यता देने और समर्थन देने के लिए है, जिन्होंने गणित के विकास के लिए प्रमुख योगदान दिया हो। वर्ष 2010 में हैदराबाद, भारत में पहली बार अंतर्राष्ट्रीय गणित कांग्रेस(आई0 सी0 एम0) का सफल आयोजन किया गया। वर्ष 2014 में सियोल, दक्षिण कोरिया में अंतर्राष्ट्रीय गणित कांग्रेस(आई0 सी0 एम0) का सफल आयोजन किया गया। वर्ष 2018 में रियो डि जनेरियो, ब्राजील में अंतर्राष्ट्रीय गणित कांग्रेस का आयोजन किया जायेगा ।

फील्ड्स पदक विजेता गणितज्ञ वर्ष 2014

प्रो0 आर्तर अविला
(जन्म– 29 जून 1979,रियो डी–जनेरो, ब्राजील)

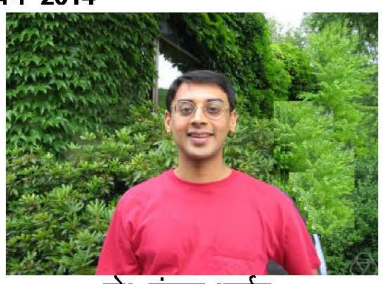

प्रो0 मंजुल भार्गव
(जन्म– 8 अगस्त 1974, हैमिल्टन, ओंटारियो, कनाडा)

प्रो0 मार्टिन हैरर
(जन्म– 14 नवंबर 1975, जिनेवा)

प्रो0 मरियम मिरजाखानी
(जन्म– मई 1977, तेहरान, ईरान)

प्रो0 आर्तर अविला फ्रांस के विश्वविद्यालय, पेरिस सातवीं, फ्रांस और संघीय विश्वविद्यालय, रियो डी जनेरियो, ब्राजील को एकीकृत सिद्धांत के रूप में पुनः प्रसामान्यीकरण के शक्तिशाली विचार का उपयोग, क्षेत्र का चेहरा बदल दिया है जो गतिकीय प्रणालियों के सिद्धांत के उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए फील्ड्स पदक से सम्मानित किया गया। भारतीय मूल के **प्रो0 मंजुल भार्गव**, प्रिंसटन विश्वविद्यालय, प्रिंसटन, अमेरिका को वह छोटे रैंक के छल्ले गिनती करने के लिए अनुप्रयोग किया है और औसत के लिए दीर्घवृत्तीय वक्र के रैंक को बाध्य करने के लिए जो ज्यामिति की संख्या में शक्तिशाली नए तरीकों को विकसित करने के लिए फील्ड्स पदक से सम्मानित किया गया। **प्रो0 मार्टिन हैरर**, वारविक विश्वविद्यालय, वारविक, ब्रिटेन को स्टोकेस्टिक आंशिक अंतर समीकरणों के सिद्धांत और विशेष रूप से इस तरह के समीकरण के लिए नियमितता संरचनाओं का एक सिद्धांत के निर्माण के लिए उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए फील्ड्स पदक से सम्मानित किया गया। वर्ष 2014 में, ईरान की **प्रो0 मरियम मिरजाखानी**, फील्ड्स पदक जीतने वाली पहली महिला और ब्राजील के **प्रो0 आर्तर अविला** पहले दक्षिण अमेरिकी बन गए। अब तक प्रिंसटन विश्वविद्यालय, प्रिंसटन, अमेरिका के गणितज्ञों को सबसे ज्यादा 8 बार फील्ड्स पदक से सम्मानित किया गया है।

संदर्भ

1. विकिपीडिया मुक्त ज्ञान कोष।
2. सिंगे, जे0 एल0(1933) जॉन चार्ल्स फील्ड्स (1863–1932), रॉयल सोसाइटी के अध्येताओं के मृत्युलेख नोटिस, खण्ड–1, अंक–2, पृ0 131।